

खास-खबरें

सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: गुजरात स्थित कार्डियोवैस्कुलर मेडिकल डिवाइस निर्माता सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 15 अक्टूबर को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 19 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 327–344 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। हृदय में लगाए जाने वाले ‘स्टेंट’ बनाने वाली कंपनी सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 19 अक्टूबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 14 अक्टूबर को इसके लिए बोली लगा पाएंगे। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 327–344 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। इस इश्यू के तहत मौजूदा शेयरधारक 1.38 करोड़ तक शेयर बेचेंगे। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 475 करोड़ रुपये जुटाने की है। इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 43 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 43 शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की ओर से जारी सार्वजनिक घोषणा के मुताबिक आईपीओ के बिक्री पेशकश पर आधारित होने के कारण इससे हासिल राशि कंपनी को नहीं मिलेगी।

जियो-बीपी ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपये प्रति लीटर महंगा किया

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी वाली कंपनी जियो-बीपी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम 5 रुपये और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। इस साल कंपनी की ओर से कीमतों में यह पहली बढ़ोतरी है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं।

कीमतों में वृद्धि के बाद पंजाब और हरियाणा में जियो-बीपी के पेट्रोल पंपों पर ईंधन महंगा हो गया है। पंजाब में पेट्रोल की कीमत करीब 108.54 रुपये और डीजल की 99.19 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, हरियाणा में पेट्रोल 109.80 रुपये और डीजल 97.75 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

पिछले 10 दिनों में जियो-बीपी दूसरी तेल कंपनी है, जिसने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। इससे पहले 3 अक्टूबर को नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये प्रति लीटर महंगा किया था। कंपनी ने यह फैसला अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और ईंधन की बढ़ती लागत के बीच लिया था। नायरा एनर्जी की बढ़ोतरी के बाद भीपाल में पेट्रोल की कीमत 119.54 रुपये और डीजल की कीमत 102.64 रुपये प्रति लीटर हो गई थी। जियो-बीपी ने सितंबर में एक बार में डीजल की बिक्री 50 लीटर तक सीमित कर दी थी। इसके बाद 1 अक्टूबर को केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव नीतज मितल ने कहा था कि सरकार निजी रिफाइनरी कंपनियों के साथ डीजल की बिक्री पर लगी पाबंदियों का मुद्दा उठाएगी और उन्हें हटाने के लिए कहेगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से वाहन चालकों और परिवहन क्षेत्र की लागत पर असर पड़ सकता है। अलग-अलग राज्यों में स्थानीय करों और अन्य शुल्कों के कारण ईंधन की खुदरा कीमतों में अंतर रहता है।

टाटा पावर रिन्यूएबल्स की परियोजनाओं में 130 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: टाटा पावर की अनुष्णगी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026–27 की दूसरी तिमाही में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में 130 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दौरान कंपनी ने 419 मेगावाट क्षमता की बड़ी ऊर्जा परियोजनाएं चालू कीं। पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह क्षमता 182 मेगावाट थी। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने 131.2 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का भी क्रियान्वयन किया।

ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में 101.2 मेगावाट घंटे की क्षमता कंपनी की अपनी जरूरतों के लिए विकसित की गई, जबकि 30 मेगावाट घंटे की क्षमता तीसरे पक्ष के ग्राहकों के लिए तैयार की गई।

भंडार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: चीन दुनिया में सबसे ज्यादा सोना रखने वाले देशों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उसने रूस को पीछे छोड़ दिया है। चीन के पास अब 2,410 टन सोने का भंडार है। इस सूची में अमेरिका पहले, जर्मनी दूसरे, इटली तीसरे और फ्रांस चौथे स्थान पर है। भारत इस सूची में आठवें स्थान पर है और उसका स्वर्ण भंडार चीन की तुलना में करीब एक-तिहाई है। चीन और शीप देशों के बीच अंतर भी लगातार कम हो रहा है। फ्रांस के पास 2,437 टन और इटली के पास 2,452 टन सोना है। इस तरह चीन फ्रांस से केवल 27 टन और इटली से 42 टन पीछे है। यदि चीन की खरीदारी इसी गति से जारी रहती है, तो वह वर्ष के अंत तक तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है।

चीन का केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 548 अंक टूटकर 71,925 पर बंद

निफ्टी में 157 अंकों की कमजोरी, आईटी, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में बिकवाली का दबाव;कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार प्रभावित

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 548 अंक टूटकर 71,925 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 157 अंक गिरकर 22,363 पर पहुंच गया। बाजार में आईटी, बैंकिंग और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में अधिक बिकवाली देखने को मिली। ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि, कच्चे तेल की महंगाई और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाया।

लगातार 11वें महीने महंगाई में बढ़ोतरी, खाद्य महंगाई 7.74 प्रतिशत हुई; ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भी बड़े दाम

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश में खुदरा महंगाई दर सितंबर में बढ़कर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अगस्त में यह 4.82 प्रतिशत थी। इस दौरान आलू, प्याज, टमाटर और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। मध्य पूर्व में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ीं। इन परिस्थितियों के बीच महंगाई में लगातार 11वें महीने बढ़ोतरी दर्ज की गई।

प्याज की महंगाई दर 108 प्रतिशत के पार

सितंबर में प्याज की महंगाई दर बढ़कर 108.09 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 48.27 प्रतिशत थी। अदरक की महंगाई दर 62.85 प्रतिशत रही, जो अगस्त के 73.82 प्रतिशत से कम है। आलू की महंगाई दर अगस्त के ऋणात्मक 13.14 प्रतिशत से बढ़कर ऋणात्मक 11.50 प्रतिशत हो गई। टमाटर की महंगाई दर भी ऋणात्मक 31.09 प्रतिशत से बढ़कर ऋणात्मक 8.62 प्रतिशत पर

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने सावधि जमा पर ब्याज दरें बढ़ाई

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने अपनी सावधि जमा (एफडी) और फिक्स्ड इन्वेस्टमेंट प्लान (एफआईपी) पर ब्याज दरों में 0.15 फीसदी से 0.40 फीसदी (15 से 40 आधार अंक) तक की बढ़ोतरी की है, जो 11 अक्टूबर से लागू हो गई हैं।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के अनुसार 12 महीने की सावधि जमा पर ब्याज दर 6.85 फीसदी से बढ़ाकर अब 7 फीसदी कर दी गई है। अब 15 महीने की डिजिटल तरीके से जमा सावधि जमा पर ब्याज दर

आरबीआई के रुख से निवेशकों की चिंता बढ़ी

भारतीय रिजर्व बैंक ने करीब चार साल में पहली बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने नीतिगत रुख को न्यूट्रल से बदलकर कैलिब्रेटेड टाइटनिंग कर दिया है। इससे निवेशकों के बीच आने वाले महीनों में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की आशंका बढ़ी है। ऊंची ब्याज दरों से कंपनियों की उधारी लागत बढ़ सकती है, जिसका असर उनके मुनाफे और शेयरों के मूल्यांकन पर पड़ सकता है।

सितंबर में खुदरा महंगाई बढ़कर 5.54 प्रतिशत पर पहुंची



पहुंच गई। भिंडी की महंगाई दर ऋणात्मक 5.41 प्रतिशत से बढ़कर ऋणात्मक 4.48 प्रतिशत रही। चांदी के गहनों की महंगाई दर अगस्त के 107.11 प्रतिशत से घटकर सितंबर में 87.80 प्रतिशत हो गई।

खाद्य महंगाई में भी बढ़ोतरी

खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर अगस्त में 5.97 प्रतिशत थी, जो सितंबर में बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो

गई। ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 5.24 प्रतिशत से बढ़कर 6.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह 4.31 प्रतिशत से बढ़कर 4.88 प्रतिशत हो गई।

गांव और शहर की महंगाई में अंतर

महंगाई दर निर्धारित करने के लिए सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के तहत खाद्य पदार्थों, कपड़ों, मकान के किराये, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी

वस्तुओं एवं सेवाओं को शामिल करती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों के खर्च का तरीका अलग होने के कारण इस सूचकांक में वस्तुओं और सेवाओं का भार भी अलग-अलग होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर खर्च का हिस्सा अधिक होने से सब्जियों और राशन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर घरेलू बजट पर अधिक पड़ता है। शहरी क्षेत्रों में मकान का किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन भी खर्च के प्रमुख हिस्से हैं।

महंगाई दर का क्या है अर्थ?

सितंबर 2026 की 5.54 प्रतिशत खुदरा महंगाई दर का अर्थ है कि उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सितंबर 2025 की तुलना में औसतन 5.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उदाहरण के लिए, पिछले साल 100 रुपये में मिलने वाली वस्तुओं की समान टोकरी की कीमत औसतन बढ़कर 105.54 रुपये हो सकती है।

बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार 1.8 करोड़ टन से अधिक, स्टॉक घटने की रफ्तार अक्टूबर में धीमी पड़ी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: देश के घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार 29 सितंबर से 18 मिलियन टन (1.8 करोड़ टन) से अधिक की मात्रा के साथ स्थिर बना हुआ है। 29 सितंबर को कोयले का भंडार 18,932 मिलियन टन (1.8932 करोड़ टन) था, जो 10 अक्टूबर को घटकर 18,205 मिलियन टन (1.8205 करोड़ टन) रह गया है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भंडार में स्थिरता से पता चलता है कि बिजली घरों में कोयले की आपूर्ति उनकी दैनिक खपत के अनुरूप बनी हुई है। इसके साथ ही कम कोयला भंडार वाले बिजली घरों में आपूर्ति पर करीबी से नजर रखी जा रही है। इसके अलावा जरूरत के आधार पर कम भंडार वाले बिजली घरों

को कोयले का पुनर्वितरण किया जा रहा है, ताकि पर्याप्त आपूर्ति तथा निबंध बिजली उत्पादन सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय ने कहा कि अधिक मालगाड़ियों में कोयला लादे जाने के कारण चालू महीने में घरेलू बिजली घरों में कोयले का भंडार घटने की रफ्तार काफी धीमी हुई है। सितंबर में पूरे महीने कोयले का भंडार करीब 72.8 लाख टन घटा था। इस दौरान औसतन प्रतिदिन लगभग 2.4 लाख टन की कमी आई। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर के पहले 10 दिन में कोयले का भंडार कुल मिलाकर संयुक्त उद्यम काइनेट 120 और डीटागढ़ तथा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का समूह 80 ट्रेन सेट तैयार करेगा।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में होंगे 24 डिब्बे, पेंट्री कार की भी मिलेगी सुविधा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: रेलवे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को 16 के बजाय 24 डिब्बों के साथ चलाने की तैयारी कर रहा है। इन ट्रेनों में पेंट्री कार भी होगी, जिससे यात्रियों को सफर के दौरान गर्म भोजन उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। रेलवे की योजना लंबी दूरी के लिए राजधानी एक्सप्रेस की तर्ज पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने की है। इसके लिए चेन्नई की

इंटीग्रल कोच फैक्ट्री को 24 डिब्बों वाले 50 ट्रेन सेट बनाने का आदेश दिया गया है।

देश में 200 से अधिक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने की योजना है। इसके तहत भारत अर्थमूवर्स लिमिटेड 10, इंडो-रूसी संयुक्त उद्यम काइनेट 120 और डीटागढ़ तथा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का समूह 80 ट्रेन सेट तैयार करेगा।

आगे की कीमतों पर रहेगी नजर

ओवरसी-चाइनीज बैंकिंग कॉर्पोरेशन के रणनीतिकार क्रिस्टोफर वॉंग के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी से सोने की कीमतों को समर्थन मिला है। फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद महंगाई की आशंका से सोने की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत गिरावट आई थी। अब बाजार में सुधार दिखाई दे रहा है।

अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी

वैश्विक बाजार में बॉन्ड की बिकवाली बढ़ने से अमेरिका के 30 वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल 5.71 प्रतिशत के पार पहुंच गया। वहीं, 10 वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल भी 5.3 प्रतिशत से ऊपर चला गया। बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने पर निवेशकों के लिए निश्चित आय वाले निवेश अधिक आकर्षक हो सकते हैं। इससे शेयर बाजार में निवेश घटने की आशंका रहती है। मध्य पूर्व में तनाव और स्ट्रेट ऑफ होमूज में जहाजों पर हमलों की आशंका के बीच ब्रेट क्रूड की कीमत दो प्रतिशत बढ़कर 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। आपूर्ति बाधित होने की आशंका और कच्चे तेल के भंडार में 32 लाख बैरल की कमी ने कीमतों को बढ़ावा दिया। विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। पिछले सात कारोबारी सत्रों में उन्होंने करीब 26 हजार करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। विदेशी निवेशकों की इस बिकवाली से बाजार पर दबाव बना हुआ है और प्रमुख सूचकांकों में कमजोरी देखने को मिली।

यूरोप की कार कंपनियां भारत में विनिर्माण को देंगी प्राथमिकता, देश बनेगा वैश्विक केंद्र : गोयल

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि यूरोप के नियमों के कारण वहां वाहनों का विनिर्माण प्रतिस्पर्धी नहीं रह जाएगा। गोयल ने कहा कि ऐसे में यूरोप की सभी कार कंपनियां अब भारत में विनिर्माण करना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि निर्यात और आयात, दोनों बढ़ रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को प्रोत्साहन मिलता है। हमारे युवाओं को पब्लिक पॉलिसी और राष्ट्र-निर्माण के कामों में सकरात्मक रूप से शामिल होने देखना हमेशा खुशी की बात होती है।‘द डिल्ली डायलॉग’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आखिरकार भारत कार विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनने जा रहा है। गोयल ने आगे कहा कि सभी कंपनियां भारत आएंगी और यहां विनिर्माण करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में यूरोपीय संघ के किसी नियम का विस्तार से उल्लेख नहीं किया। हालांकि,

भारत और कुछ अन्य देशों ने ईयू की कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (सीबीएएम) को लेकर चिंता जताई है। भारत के निर्यात के बारे में गोयल ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय चालू वित्त वर्ष 2026–27 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल एक लाख करोड़ डॉलर का निर्यात हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। आईएसपीपी और चिंतन रिसर्च फाउंडेशन की ओर से नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित ‘द डिल्ली डायलॉग 2026’ में ‘विकसित भारत 2047’ के विजन को लेकर नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों और उत्पादित युवाओं के साथ सांथक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि विजन को लेकर व्यापार समझौतों के तहत ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) को कोटा आधारित शुल्क रियायतें दी हैं। ब्रिटेन के साथ समझौता 15 जुलाई से लागू हो गया था, जबकि यूरोपीय संघ के साथ समझौते पर इस साल के अंत तक हस्ताक्षर होने की संभावना है।

कोयला मंत्रालय पर्याप्त कोयला भंडार बनाए रखने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), सिंगरेरी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल), रेल मंत्रालय और बिजली कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि कोयले की निकासी तथा आपूर्ति लगातार बनी रहे। कोयले की उचित आवाजाही सुनिश्चित करने में भारतीय रेलवे के लगातार सहयोग और पेशेवर प्रतिबद्धता के लिए कोयला मंत्रालय ने उसकी सराहना की है। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 फीसदी से अधिक है।

कोयला मंत्रालय पर्याप्त कोयला भंडार बनाए रखने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), सिंगरेरी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल), रेल मंत्रालय और बिजली कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि कोयले की निकासी तथा आपूर्ति लगातार बनी रहे। कोयले की उचित आवाजाही सुनिश्चित करने में भारतीय रेलवे के लगातार सहयोग और पेशेवर प्रतिबद्धता के लिए कोयला मंत्रालय ने उसकी सराहना की है। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 फीसदी से अधिक है।

जियो प्लेटफॉर्मस का आईपीओ बना सकता है देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्मस का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। इस निर्गम का आकार करीब 30,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। कंपनी का संभावित मूल्यांकन लगभग 11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस स्तर पर जियो प्लेटफॉर्मस देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन सकती है।

फिलहाल बाजार पूंजीकरण के आधार पर रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका बाजार मूल्य करीब 15.62 लाख करोड़ रुपये है। एचडीएफसी बैंक लगभग 10.81 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ दूसरे और भारती एयरटेल करीब 10.78 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज करीब तीन दशक बाद अपना सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी है। जियो प्लेटफॉर्मस का यह निर्गम पूरी तरह नए शेयर जारी करके लाया जाएगा। इसमें मौजूदा निवेशकों की हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव शामिल नहीं है। कंपनी के इस कदम से उसके डिजिटल

कारोबार का बाजार मूल्य तय होने के साथ दूरसंचार क्षेत्र में कंपनियों की स्थिति पर भी असर पड़ सकता है। जियो प्लेटफॉर्मस ने अमेरिका, यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में निवेशकों के साथ बैठकें की हैं। इसके बाद भारत में भी संस्थागत निवेशकों के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कंपनी को घरेलू और विदेशी निवेशकों से अच्छी रूचि मिलने की उम्मीद है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के शेयरों का संभावित मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपये प्रति शेयर हो सकता है। इस आधार पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 10.3 लाख करोड़ रुपये तक रहने का अनुमान है। ऊपरी मूल्य पर निर्गम से लगभग 30,200 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। बड़े संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से की प्रक्रिया 19 अक्टूबर से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि शेयरों की सूचीबद्धता 28 अक्टूबर को संभावित है। हालांकि, इन तारीखों और अन्य विवरणों में बदलाव हो सकता है।